

# महापुरुष

[ तीन अङ्का का दु खान्त नाटक ]

चन्द्रकान्त कुसनूरकर

प्रसाद पुस्तक मन्दिर, १४०५ कृष्णमूर्ति पुरम्, मैसूर ४.